Shri Hariharaputra Udara Ashtakam

श्रीहरिहरपुत्र उदाराष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Hariharaputra Udara Ashtakam

File name : hariharaputraudArAShTakam.itx

Category : deities_misc, ayyappa, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : October 8, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 8, 2022

sanskritdocuments.org

श्रीहरिहरपुत्र उदाराष्टकम्

हरिकलभ तुरङ्ग तुङ्गवाहनं हरिमणिमोहनहारचारुदेहम् ।
हरिद्धीपनतं गिरीन्द्रगेहं हरिहरपुत्रमुदारमाश्रयामि ॥ १॥

निरुपम परमात्मनित्यबोधं गुरुवरमद्भुतमादिभूतनाथम् ।
सुरुचिरतरदिव्यनृत्तगीतं हरिहरपुत्रमुदारमाश्रयामि ॥ २॥

अगणितफलदानलोलशीलं नगनिलयं निगमागमादिमूलम् ।
अखिलभुवनपालकं विशालं हरिहरपुत्रमुदारमाश्रयामि ॥ ३॥

घनरसकलभाभिरम्यगात्रं कनककरोज्वल कमनीयवेत्रम् ।
अनघसनकतापसैकमित्रं हरिहरपुत्रमुदारमाश्रयामि ॥ ४॥

सुकृतसुमनसां सतां शरण्यं सकृदुपसेवकसाधुलोकवर्ण्यम् ।
सकलभुवनपालकं वरेण्यं हरिहरपुत्रमुदारमाश्रयामि ॥ ५॥

विजयकर विभूतिवेत्रहस्तं विजयकरं विविधायुध प्रशस्तम् ।
विजित मनसिजं चराचरस्थं हरिहरपुत्रमुदारमाश्रयेहम् ॥ ६॥

सकलविषयमहारुजापहारं जगदुदयस्थितिनाशहेतुभूतम् ।
अगनगमृगयामहाविनोदं हरिहरपुत्रमुदारमाश्रयेहम् ॥ ७॥

त्रिभुवनशरणं दयापयोधिं प्रभुममराभरणं रिपुप्रमाथिम् ।
अभयवरकरोज्ज्वलत्समाधिं हरिहरपुत्रमुदारमाश्रयेहम् ॥ ८॥

जयजय मणिकण्ठ वेत्रदण्ड जय करुणाकर पूर्णचन्द्रतुण्ड ।
जयजय जगदीश शासिताण्ड जयरिपुखण्ड वखण्ड चारुखण्ड ॥ ९॥

इति श्रीहरिहरपुत्र उदाराष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Mohan Chettoor

Shri Hariharaputra Udara Ashtakam

pdf was typeset on October 8, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*